15

आनंदमयी कविता

किसान

नहीं हुआ है अभी सवेरा,
पूरब की लाली पहचान,
चिड़ियों के जगने से पहले,
खाट छोड़ उठ गया किसान।

खिला-पिलाकर बैलों को ले,
करने चला खेत पर काम,
नहीं कभी त्योहार न छुट्टी,
उसको नहीं कभी आराम।

गरम-गरम लू चलती सन-सन,
धरती जलती तवे समान,
तब भी करता काम खेत पर,
बिना किए आराम किसान।

© NCERT not to be republished

बादल गरज रहे गड़-गड़-गड़,
बिजली चमक रही चम-चम,
मूसलाधार बरसता पानी,
ज़रा न रुकता लेता दम।

हाथ-पाँव ठिठुरे जाते हैं,
घर से बाहर निकले कौन,
फिर भी आग जला, खेतों की,
रखवाली करता वह मौन।

है किसान को चैन कहाँ,
वह करता रहता हरदम काम,
सोचा नहीं कभी भी उसने,
घर पर रह करना आराम।

—सत्यनारायण लाल

Reprint 2026-27

बातचीत के लिए

1. क्या आपके परिवार में कोई किसान है? वे दिन में क्या-क्या काम करते हैं?
2. क्या आप कभी खेत में गए हैं? वहाँ क्या-क्या दिखाई देता है?
3. आपको कौन-सा काम करना सबसे अच्छा लगता है?
4. लू चलने का पता आपको कैसे लगता है?
5. चिड़ियों को भगाने के लिए खेत में क्या लगाया जाता है? अपनी भाषा में उसका नाम बताइए?
6. आपको किसान की सबसे अच्छी बात क्या लगती है?

सोचिए और लिखिए

1. खेत में उगने वाली कुछ वस्तुओं के नाम लिखिए –

(i) .... (iv) ....

(ii) .... (v) ....

(iii) .... (vi) ....

2. ठंड से बचने के लिए आप किन-किन वस्तुओं का प्रयोग करते हैं? उनके नाम लिखिए –

....

....

....

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

शब्दों का खेल

इस कविता में सन-सन, गड़-गड़-गड़ और चम-चम जैसे शब्द आए हैं। ऐसे ही अपनी पसंद के कुछ और शब्द बनाइए और कविता पूरी कीजिए –

हवा चलती सन-सन,
पत्ते उड़ते ....।
बादल गरजते गड़-गड़-गड़,
बिजली चमकती चम-चम।

बारिश होती ....,
ओले बरसते ....।
सब शांत हो जाता ....,
फिर सूरज चमकता ....!

आइए, कुछ बनाएँ

यह 'बाघ बचाओ' का पोस्टर है। बिंदुओं को मिलाकर पोस्टर को पूरा कीजिए और एक संदेश लिखिए –

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

चित्रकारी और लेखन

कप्पू एक भूरे रंग का कुत्ता है जो एक खेत में रहता है। चित्र पूरा कीजिए और कप्पू की दिनचर्या के बारे में लिखिए–

1. कप्पू सुबह उठकर सबसे पहले ....
2. फिर वह किसान के साथ ....
3. थोड़ी देर बाद कप्पू ....
4. खाना खाने के बाद कप्पू कुछ देर के लिए ....
5. शाम को कप्पू ....
6. सोने से पहले कप्पू ....

और ऐसे ही कप्पू का दिन बीत जाता है! जाने कप्पू कल क्या करेगा!

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27